

वालमीक टाइगर रजिर्व में बनेगा गैंडा और गदिध संरक्षण केंद्र, बहार सरकार ने बनाई 'राइनो टास्क फोर्स'

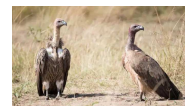
चर्चा में क्यों?

- 17 सितंबर, 2023 को मीडिया सूत्रों से मली जानकारी के अनुसार बहार सरकार ने वालमीक टाइगर रजिर्व (वीटीआर) में गैंडों के संरक्षण के उपाय सुझाने के लिये 'राइनो टास्क फोर्स' गठित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसकी सफारिशों के आधार पर वीटीआर में गैंडा संरक्षण योजना शुरू होगी।

प्रमुख बंदि

- सूत्रों के अनुसार बहार में गैंडा और गदिध संरक्षण को केंद्र सरकार ने अपनी योजना में शामिल कर लिया है। साथ ही आर्थिक मदद के तौर पर पहली कसित की राशा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परविरतन वभिग को भेजने की शुरुआत भी कर दी है।
- वभिग ने गैंडा और गदिध का संरक्षण फलिहाल वालमीक टाइगर रजिर्व (वीटीआर) में करने की योजना बनाई है। इस पर सैद्धांतिक रूप से काम शुरू हो गया है। अगले दो वर्षों में वीटीआर में गैंडा बाहुल्य क्षेत्रों को पाँच प्रतशित तक बढ़ाने का नरिणय लिया गया है।
- गैंडों को भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बाहर नकाला जाएगा और वीटीआर में चहिनति क्षेत्रों में स्थानांतरति कथि जाएगा। संभावति क्षेत्रों के रूप में गनौली और मदनपुर की पहचान की गई है।
- इस योजना का उद्देश्य गैंडों को प्रजनन और अपनी संख्या बढ़ाने के लयि अधिकि जगह उपलब्ध कराना है। फलिहाल वीटीआर में केवल एक गैंडा और पटना चड़ियाघर में 14 गैंडे हैं।
- वलिपुत हो रहे गदिधों को राज्य में संरक्षण के लयि वीटीआर का चयन कथि गया है। वहाँ ऐसे स्थानों की पहचान की जा रही है जहाँ गदिध दखिते हैं। उन जगहों पर गदिधों के खाने की व्यापक व्यवस्था की जाएगी। साथ ही टावर बनाकर गदिधों पर नगिरानी रखी जाएगी। एंटी पोचगि कैंप बनाए जाएंगे। राज्य में फलिहाल गदिध वीटीआर के अलावा सुपौल ज़िले में कुछ संख्या में दखिते हैं।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परविरतन वभिग एपीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ) प्रभात कुमार गुप्ता ने बताया कि बाघ के बाद राज्य में गैंडा और गदिध संरक्षण को केंद्र सरकार ने अपनी योजना में शामिल कर लिया है। अब हर साल आर्थिक मदद मलि सकेगी।
- गदिध संकटग्रस्त प्रजातियों की श्रेणी में आ गए हैं। इनको बचाने के लयि दुनयाभर में प्रयास हो रहे हैं। इनके सहति 'गैंडा संरक्षण योजना' पर पछिले साल राज्य योजना से खर्च की गई थी। इसे बचाने के लयि क्षेत्र का चयन कथि गया और लोगों में जागरूकता का प्रयास शुरू हुआ।
- पटना जू में 20 से 22 सितंबर तक 'राइनो वीक' मनाया जाएगा। जू प्रशासन ने बताया कि असम से लाए गए ब्लैक पैथर और राइनो के एडॉप्शन के लयि इंडयिन ऑयल कॉर्पोरेशन और एसबीआई को प्रस्ताव भेजा गया है। अगर उनकी सहमति हुई, तो 22 सितंबर को इनका एडॉप्शन समारोह होगा।
- 20 सितंबर को एक्सपर्ट मीट का आयोजन होगा, जसिमें वभिन्न जू जैसे असम जू, वेस्ट बंगाल, उत्तर प्रदेश, नयी दलिली के राइनो एक्सपर्ट भाग लेंगे। 21 सितंबर को राइनो क्वजि, राइनो केयर का डसिपले, थीमेटिक पॉट पेंटगि कंपीटशिन का आयोजन कथि जाएगा।
- वदिति है कि हर साल 22 सितंबर को 'वशिव राइनो दविस' मनाया जाता है। पटना जू का राइनो के संरक्षण में अहम योगदान रहा है। यहाँ राइनो ब्रीडगि सेंटर भी है। ऐसे में यहाँ आने वाले लोगों को इसके बारे में जानने का मौका मलिगा।





PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rhino-and-vulture-conservation-centre-will-be-buil-iin-valmiki-tiger-reserve-bihar-government-formed-rhino-task-force>